समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 27 August 2026

बांसवाड़ा की चुड़ादा ग्राम पंचायत मे ग्राम विकास चौपाल आयोजित, सीएम भजनलाल शर्मा ने राजीविका समूहों को दिए 7 करोड़ के चेक

राजेश चौधरी

Published on 21 May 2026

[illegible] | [illegible] | [illegible]

बांसवाड़ा जिले की चुड़ादा ग्राम पंचायत में मंगलवार को “ग्राम विकास चौपाल” का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने ग्रामीण महिलाओं और माताओं से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं, सुझाव और अपेक्षाएं सुनीं। कार्यक्रम के दौरान गांव के विकास, महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न राजीविका समूहों को स्वरोजगार एवं आजीविका संवर्धन के लिए कुल 7 करोड़ रुपये के चेक वितरित किए। इन आर्थिक सहायता राशि के माध्यम से महिला समूह सिलाई, डेयरी, ब्यूटी पार्लर, कृषि आधारित उद्योग, हस्तशिल्प और अन्य छोटे व्यवसाय शुरू कर सकेंगे। सरकार का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि मातृशक्ति राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। “लखपति दीदी” और “नारी शक्ति वंदन” जैसे अभियान ग्रामीण महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव ला रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार गांव-गांव तक शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। महिला समूहों को आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि वे अपने परिवार और समाज की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि सशक्त महिलाएं ही विकसित राजस्थान और मजबूत भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगी।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। चौपाल में ग्रामीण विकास योजनाओं, महिला कल्याण कार्यक्रमों और स्वरोजगार से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

ग्रामीण महिलाओं ने मुख्यमंत्री के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि सरकार द्वारा दी जा रही आर्थिक सहायता और प्रशिक्षण योजनाएं उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। कार्यक्रम में महिलाओं के उत्साह और भागीदारी ने यह साबित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में तेजी से काम हो रहा है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/राजेश चौधरी, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.